IJARSCT
ISSN (Online) 2581-9429
International Journal of Advanced Research in Science, Communication and Technology (IJARSCT)
International Open-Access, Double-Blind, Peer-Reviewed, Refereed, Multidisciplinary Online Journal
Impact Factor: 7.67
Volume 5, Issue 5, February 2025

शारीरीक शिक्षा मे खिलाडीयों का सामाजिक – आर्थिक स्तर एक अध्ययन

डॉ. मार्कंड चौरे

शारीरीक शिक्षण संचालक

एस. चंद्रा महिला महाविद्यालय, आष्टी

गोंडवाना विद्यापीठ, गडचिरोली.

dr.markandchoure@gmail.com

प्रस्तावणा

विलकिन्सन और डोडेर ने खेलों के सामाजिक महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहा है कि, '' खेलों का सामाजिक महत्व बहूत अधिक है ! खेल के व्दारा भावना प्रकट होती है, शुध्द होती है, व्यक्ती का सामाजिकरण होता है, जिम्मेदारी का एहसास होता है और व्यक्ती कों सफलता प्राप्त होती है !''

किसी विशेषज्ञ ने खेल को उपचार का ऐक प्रभावी माध्यम भी बताया है ! खेल के व्दारा प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनो ही प्रकार के लाभ प्राप्त होते है, जो अन्य किसी क्रिया से नही हो पाता है ! इसलिए खेल को बहूउददेशीय कहॉ. जाता है !

कुछ खिलाडी खेल मे जीत को ही प्रधानता देते है और कुछ खेल खेलने के तरिके को महत्व देते है ! जब खेल के परिणाम महत्व पूर्ण हो जाते है, तब खेल की जीत को प्राथमीकता दी जाती है ! किसी भी प्रकार से, कैसे भी तरिको से जितना यही उददेश बन जाता है ! ऐसै समय आप कैसे खेल इसे महत्व न दिया जाकर आपने कैसे जीता इसको महत्व दिया जाता है ! इस उददेश में वाममार्ग कोभी प्रतिष्ठा प्राप्त होती है. जीतने के लिये खिलाडीं अपने आप को न्यौछावर कर देता है ! इसका दुसरा पक्ष यह है जहा जीतने हारने को महत्व न देकर खेल खेलने कों महत्व दिया जाता है ! ''खेल – खेलने के लिऐ खेले'' यह उनका विचार रहता है !

बिजशब्दः खिलाडी, गामक, क्षमता, गुणांक, सहसबंध.